# माँ अफसाना की कोशिश रंग लाई

साहिल

समीर

साहिल व समीर दोनों जुड़वां भाई हैं

मण्डरायल गाँव, करौली जिले के सपोटरा ब्लॉक में है। इसी गाँव में अफसाना का परिवार रहता है। अफसाना का पति ड्राइवरी का काम करता है और अपने परिवार का पालन पोषण करता है। उनके चार बच्चे हैं। दो बड़े बच्चे एक बेटी व बेटा हैं और उसके बाद अफसाना के जुड़वॉ बच्चे हुए, जिनका नाम उसनें साहिल तथा समीर खान रखा। साहिल तथा समीर का बड़ा भाई उनसे केवल 10 महीने ही बड़ा है। जब अफसाना के जुड़वा बेटे हुए तो परिवार के सभी लोगों नें बहुत खुशियाँ मनायीं, लेकिन खुशियों के साथ – साथ अफसाना पर दो जुड़वा बच्चों की जिम्मेदारी भी आ गई थी साथ ही उनसे साहिल तथा समीर से बड़े दो भाई व बहन भी उम्र में छोटे ही थे। चार बच्चों की एक साथ जिम्मेदारी निभाने में अफसाना को बहुत परेशानी होती थी। बच्चों के पालन पोषण में अफसाना की खाला भी उसका पूरा साथ देती थी। अफसाना की खाला को दोनों बच्चों से बहुत प्यार था इसलिए वह बच्चों का बहुत ध्यान रखने की कोशिश करती थी। इतनी महनत मुशक्कत करने के बाद भी साहिल और समीर दोनों बहुत कमजोर थे।

एक दिन अफसाना  बहुत परेशान थी उसी दिन उनके घर अचानक मण्डरायल गाँव की आशा बहनजी जा पहुँची। आशा सहयोगिनी ने अफसाना से उसकी परेशानी का कारण पूछा तो अफसाना ने कहा कि हम साहिल और समीर का पूरा ध्यान रखते हैं लेकिन इनके शरीर को कुछ भी नहीं लगता ये दिनों दिन कमजोर होते जा रहे हैं। आशा सहयोगिनी ने अफसाना और उसकी खाला को पोषण कार्यक्रम के बारे में बताया और हिम्मत बंधाई कि आपके दोनों बच्चे बिल्कुल ठीक हो जाएंगें। आशा ने दोनों बच्चों की बाँह का माप (एम.यू.ऐ.सी से – यह अति गंभीर कुपोषण की पहचान का एक साधन है) लिया जिसमें साहिल तथा समीर दोनों की बॉह का माप 11.2 से.मी निकला। आशा ने अफसाना को बताया कि दोनों बच्चे कमजोर हैं और उनकी उप स्वास्थ्य केन्द्र पर जॉच होगी। अफसाना व खाला दोनों बच्चों को उप स्वास्थ्य केन्द्र पर लेजाने के लिए तैयार हो गईं।

कुछ दिन बाद आशा फिर से अफसाना के घर आई और उसने बताया कि आज उप स्वास्थ्य केन्द्र पर बच्चों की जॉच होनी है और हमें साहिल और समीर को भी वहॉ लेकर जाना होगा। अफसाना तुरन्त तैयार हो गई। जब मण्डरायल उप स्वास्थ्य केन्द्र पर दोनों बच्चों की जॉच हुई तो दोनों बच्चे ही

बहुत कमजोर (अति गंभीर कुपोषित) निकले। जॉच में समीर का एम.यू.ए.सी 11.2 से.मी. तथा Z स्कोर -4SD तथा साहिल का एम.यू.ए.सी 11.2 से.मी. तथा Z स्कोर -3SD था। ए.एन.एम कैलाश कुमारी ने दोनों बच्चों का नाम कार्यक्रम में लिख लिया तथा पोषण दिवस पर दोनों बच्चों को पोषण अमृत तथा एक हफ्ते तक दवा खाने को दी।

अफसाना तथा खाला को लगा कि अब उसके बच्चे बिल्कुल ठीक हो जाएंगें। लेकिन यह सब इतना आसान नहीं था। जब अफसाना ने बच्चों को पहले दिन पोषण अमृत खिलाया तो दोनों ही बच्चों ने पोषण अमृत नहीं खाया। लेकिन अफसाना ने हार नहीं मानी। अफसाना ने बार – बार दोनों बच्चों को पोषण अमृत खिलाने की कोशिश करती। पोषण प्रहरी भी रोज अफसाना के घर आकर बच्चों को अपने सामने पोषण अमृत खिलाती। धीरे – धीरे समीर और साहिल ने पोषण अमृत खाना शुरू कर दिया। अफसाना पोषण अमृत के साथ – साथ घर का बना खाना भी देने लगी। अफसाना की इस कोशिश से आज साहिल तथा समीर दोनों सेहतमंद हैं। डिस्चार्ज के समय समीर व साहिल का एम.यू. ए.सी 12.5 से.मी. तथा Z स्कोर -1SD हो गया था।

अफसाना का कहना है कि आशा बहनजी तथा ए.एन.एम बहनजी ने मुझे रास्ता दिखाया कि मैं अपने बच्चों की देखभाल कैसे करूँ और उन्हें कैसे व क्या खिलाना है। मैंनें भी हार नहीं मानी और मेरी कोशिश रंग लाई है। मेरे दोनों बच्चे अब बिल्कुल तंदरूस्त हैं।